वन उत्पादकता संस्थान, रांची

हरित कौशल विकास कार्यक्रम

बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण

(दि. **14.03.19 - 29.03.19**)

वन उत्पादकता संस्थान द्वारा हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत **बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन** विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के निदेशक डा.नितिन कुलकर्णी के निर्देशन में किया गया| उद्घाटन अवसर पर संस्थान के निदेशक ने अपने उद्घाटन संबोधन में इस प्रशिक्षण में झारखण्ड, बिहार एवं महाराष्ट्र राज्य के ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों की प्रतिभागिता के विषय पर जानकारी दी | प्रतिभागियों को बांस, बांस पौधशाला की स्थापना इसमेँ लगने वाले रोग, रोग नियंत्रण, टिशू कल्चर द्वारा बांस का उत्पादन, बांस की व्यवसायिक खेती, खाद्य एवं सौंदर्य प्रसाधन के रूप में बांस के उपयोग इत्यादि विषयों पर प्रतिभागियों को विस्तृत तकनीकी जानकारी दिये जाने सबंधी चर्चा भी की गई| इस प्रशिक्षण द्वारा प्रशिक्षणप्राप्त प्रतिभागियोँ द्वारा अपने स्वयं के कौशल विकास के साथ ही अन्य लाभार्थियों को भी कौशल विकास के लिये क्षमतावान बनाने हेतु प्रोत्साहित किया गया|

इस कार्यक्रम के पाठ्यक्रम निदेशक डा. संजय सिंह ने प्रतिभागियों को लगभग आठ सप्ताह चलनेवाले प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के बारे में अवगत कराया व साथ ही साथ शैक्षणिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त प्रायोगिक प्रशिक्षण के वारे मे भी जानकारी दी | संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डा. योगेश्वर मिश्रा द्वारा आरम्भ से लेकर अंत तक मानव जीवनकाल में बांस उपयोग के बारे में व विभिन्न उपयोगिताओं से प्रशिक्षणार्थियोँ को अवगत कराया गया |

इस अवसर पर संस्थान के सभी वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे | श्री रवीशंकर प्रसाद, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन किया| उद्घाटन सत्र में लगभग 45 प्रतिभागियों की उपस्थिति रही |

तत्पश्चात तकनीकी सत्रोँ में दिनांक 14.02.19 से 29.03.19 तक बांस प्रबर्धन एवं प्रबंधन विषय से सम्बंधित विभिन्न विषयों, जैसे बांस पौधशाला की स्थापना, प्रवर्धन विधियाँ, पौधशाल और रोपण क्षेत्र प्रबंधन, रोग एवं कीट नियंत्रण उत्पाद विकास, मूल्य वर्धन इत्यादि पर External एवं Internal विशेषज्ञों ने अपने –अपने व्यख्यान दिये एवं चर्चा भी की | प्रशिक्षण के अन्तराल में बांस विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों के प्रश्नों का संतोषजनक उत्तर दिया गया तथा विस्तृत चर्चा की गई| प्रतिभागियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया तथा प्रायोगिक कार्य भी

कराया गया | बांस हस्तशिल्प कला के प्रशिक्षण को उपस्थित प्रतिभागियों ने हस्त शिल्प कला में त्वरित रूचि दिखाई एवं बांस हस्तशिल्प कला का अपनी-अपनी कार्य कुशलता का प्रदर्शन भी किया| बांस प्रवर्धन एवं प्रवंधन पर प्रशिक्षण के बारे में समय–समय पर प्रतिभागियों का मूल्याँकन भी किया गया|

समापन समारोह : बांस न केवल औद्योगिक उपयोगिता रखता है वरन ग्रामीण एवं जन जातीय जीवनशैली में बांस एक अभिन्न अंग है| यह विचार वन उत्पादकता संस्थान रांची में आयोजित भारत सरकार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चलाये जा रहे हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत "बांस प्रबर्धन एवं प्रबंधन" विषय पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि वन विभाग झारखण्ड सरकार के डा. एच.एस.गुप्ता प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान एवं विकास) द्वारा व्यक्त किये गये | इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने संस्थान के डा. संजय सिंह और साथियों द्वारा लिखित तकनीकी पुस्तक "बांस प्रबर्धन एवं प्रबंधन" का विमोचन भी किया |

इस अवसर पर समारोह के विशिष्ठ अतिथि डा. आलोक सहाय (निदेशक, केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नगरी) ने कहा कि बांस के प्रबर्धन प्रबंधन एवं मूल्यवर्धन से आजीविका के अवसर उत्तपन करने के साथ संरक्षण में भी प्रभाव डालेगा| समापन समारोह के अवसर संस्थान के निदेशक ने बांस के उत्पादन एवं सदोहन होना ही आजीविका के साधन में अत्यंत महत्वपूर्ण है| वन क्षेत्रों से बढती आपूर्ति बढती जनसँख्या के चलते सम्भव नही रह गयी है, अत: उत्पादन भी अत्यंत महत्वपूर्ण है जिससे आवश्यक मात्रा का बांस सतत उपलब्ध होता रहे | प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक ने कहा की इस प्रमाण पत्र पाठ्क्रम का आयोजन बांस क्षेत्र में आजीविका सृजन की असीम संभावना को विचार करते हुए किया है| इस समापन समारोह का संचालन वैज्ञानिक श्रीमती रूबी एस. कुजुर द्वारा किया गया तथा धन्यबाद ज्ञापन जनसंपर्क अधिकारी श्री शंभूनाथ मिश्रा ने प्रस्तुत किया | इस अवसर पर संस्थान के सभी वरिष्ठ वैज्ञानिक, तकनीकी अधिकारीगण की उपस्थिति रही | इस प्रशिक्षण में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र दिए गए|

इस अवसर पर प्रशिक्षण के सबंध में सभी प्रतिभागियों ने भी अपने- अपने विचार व्यक्त किये तथा कार्यक्रम पाठ्क्रम के अलावा विशेषज्ञों तथा सामान्य व्यवस्थाओं की भी प्रशंसा की | इस कार्यक्रम के आयोजन में वन विस्तार प्रभाग के श्री एस. एन. वैद्य, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी की भूमिका वहुत महत्वपूर्ण रही| इस पूरे प्रशिक्षण कार्यक्रम में ,श्री निशार आलम, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री एस. एन, मिश्रा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, श्री बसंत कुमार, सहायक तकनीकी एवं श्री सूरज कुमार सहायक तकनीकी अधिकारी तथा संस्थान के अन्य अधिकारी कर्मचारियों ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया|

निदेशक वन उत्पादकता संस्थान द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन

संस्थान के निदेशक डा. नितिन कुलकर्णी द्वारा हरित कौशल विकास कार्यक्रम के बारे में संबोधन

संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) द्वारा बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर व्याख्यान

डा. शरद तिवारी एवं डा. ए.के.चक्रवर्ती द्वारा बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर व्याख्यान

प्रतिभागियों का बांस हस्त शिल्पकला का प्रायोगिक प्रशिक्षण

बांस हस्त शिल्पकला का प्रायोगिक प्रशिक्षण

फिल्ड में बांस प्रवर्धन पर प्रायोगिक प्रशिक्षण

बांस हस्त शिल्पकला का प्रायोगिक प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन

पाठ्यक्रम निदेशक ,डा. संजय सिंह का सबोधन

बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन पर लिखी पुस्तक का विमोचन

समापन समोरोह के अवसर पर संस्थान के निदेशक, डा. नितिन कुलकर्णी का संबोधन

समापन समोरोह के अवसर पर मुख्य अतिथि डा. एच एस. गुप्ता वन विभाग झारखण्ड एवं केन्द्रीय तसर संस्थान एवं प्रशिक्षण के निदेशक डा. आलोक सहाय,का संबोधन

प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र वितरण

प्रतिभागियों को पाठ्यक्रम प्रमाण पत्र वितरण

समापन समारोह के अवसर पर संस्थान के निदेशक द्वारा अतिथि को सम्मानित

प्रतिभागियों द्वारा निर्मित बांस शिल्प कला एवं प्रदर्शन

07 रांची • शनिवार • 30 मार्च 2019 हिन्दुस्तान | आज का दिन 1853 में नीदरलैंड के प्रसिद्ध चित्र

वन उत्पादकता संस्थान में बांस प्रवर्द्धन एवं प्रबंधन विषय की पुस्तक का विमोचन

बांस का उत्पादन बढ़ाएं : निदेशक

पिस्कानगड़ी | प्रतिनिधि

लालगुटवा स्थित राज्य वन उत्पादकता संस्थान में प्रमाणपत्र बांटा गया। भारत सरकार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 'बांस प्रवर्द्धन एवं प्रबंधन' विषय पर डेढ़ माह से चल रहा प्रशिक्षण शुक्रवार को संपन्न हुआ।

संस्थान के डॉ संजय सिंह और साथियों ने लिखित तकनीकी पुस्तक 'बांस प्रवर्द्धन एवं प्रबंधन' का विमोचन भी किया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ एचएस गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान एवं विकास) मौजूद थे। संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने कहा कि बांस क्षेत्र में आजीविका सृजन की असीम संभावना है। वन क्षेत्रों से बांस की आपूर्ति बढ़ती जनसंख्या के चलते कम हो रही है। बांस का उत्पादन एक अभियान के तहत बढ़ाया जा सकता है। कार्यक्रम में झारखंड, बिहार और महाराष्ट्र राज्य के 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया था। जिन्हें बांस पौधशाला स्थापना की जानकारी दी गई। समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ आलोक सहाय, प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ संजय सिंह ने अपने विचारों को रखा। कार्यक्रम का संचालन वैज्ञानिक रूबी एस कूजूर और धन्यवाद ज्ञापन जनसंर्क अधिकारी शंभूनाथ मिश्र ने किया।

राज्य वन उत्पादकता संस्थान में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण देते अतिथिगण।

प्रशिक्षण संपन्न

- बांस प्रवर्द्धन एवं प्रबंधन पर विषय पर चल रहा प्रशिक्षण संपन्न
- प्रशिक्षण में झारखंड, महाराष्ट्र और बिहार के लोग हुए शामिल

09 •रांची • शुक्रवार •15 फरवरी 2019 हिन्दुस्तान | आज का दिन 1926 में अमेरिका में अनुबंध ए

बांस के उत्पादन और मूल्यवर्द्धन पर आयोजित प्रशिक्षण में 25 किसान हुए शामिल

'बांस की करें व्यावसायिक खेती'

कांके | प्रतिनिधि

वन वर्द्धन एवं कृषि वानिकी विभाग द्वारा आईसीएआर की जनजातीय उपयोजना के अधीन बांस की खेती, प्रबंधन एवं मूल्यवर्द्धन विषय पर पांच दिनी प्रशिक्षण गुरुवार को शुरू हुआ। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वानिकी संकाय के इस प्रशिक्षण में लोहरदगा जिले के कैरो प्रखंड से बांस की खेती से जुड़े 25 जनजातीय किसान भाग ले रहे हैं।

कृषि भवन में आयोजित इस कार्यक्रम का उदघाट्न प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ जगन्नाथ उरांव ने किया। उन्होंने बताया कि राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में बांस को जंगल के रूप में उगाया जाता है। बांस की वैज्ञानिक तकनीक से व्यावसायिक खेती और उनके मूल्यवर्द्धन से ग्रामीण आबादी की आजीविका बेहतर की जा सकती है। बांस उत्पाद के निर्माण में आधुनिक यंत्र के प्रयोग से बांस का मूल्यवर्द्धन और लघु कुटीर उद्योग के रूप में अपनाकर किसान अधिक लाभ कमा सकते हैं।

मौके पर पर कुलसचिव डॉ एन कुदादा और डीन वानिकी डॉ महादेव महतो ने ग्रामीण क्षेत्रों तक बांस का व्यावसायिक उत्पादन एवं मूल्यवर्द्धन की आधुनिक तकनीकों के प्रचार-प्रसार पर बल दिया। उन्होंने इसे महिला सशक्तिकरण हेतु अधिक उपयुक्त रोजगार के अवसर की बात कही। प्रशिक्षण में परियोजना अनवेषक डॉ एमएस मल्लिक ने बांस की खेती एवं उपयोगिता, डॉ एके चक्रवर्ती ने बांस का गुणवत्तायुक्त पौधा का उत्पादन, प्रो वी शिवाजी ने बांसरोपण तकनीक तथा डॉ अनिल कुमार ने बांस उत्पादन योजना की लागत के बारे में बताया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ आरबी साह और धन्यवाद ज्ञापन डॉ पीआर उरांव ने किया। मौके पर डॉ बसंत उरांव, डॉ जे केरकेट्टा सहित वानिकी संकाय के छात्र मौजूद थे।

पिस्कानगड़ी में भी कार्यक्रम शुरू : नगड़ी के लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में बांस के प्रबंधन एवं संवर्द्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। भारत सरकार के वन पर्यावरण मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने दीप जलाकर प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल राज्य के ग्रामीण भाग ले रहे हैं।

प्रशिक्षण के पाठ्क्रम निदेशक डॉ संजय सिंह ने बताया कि प्रतिभागियों को बांस में लगनेवाले रोग पर नियंत्रण, टिसू कल्चर द्वारा बांस का उत्पादन, बांस की व्यावसायिक खेती, खाद्य एवं सौंदर्य प्रसाधन के रूप में बांस के उपयोग की तकनीकी जानकारी दी जाएगी।

वहीं बांस कैसे विकसित किया जाएगा, इसकी तकनीक बताई जाएगी। कार्यक्रम का संचालन रविशंकर प्रसाद ने किया। मौके पर संस्थान के डॉ अनिमेष सिन्हा, एसएन वैद्य, रवींद्र राज लाल, निसार आलम आदि मौजूद थे।

दीप जलाकर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत करते निदेशक और अन्य। • हिन्दुस्तान

प्रभात खबर 15/24

ग्रामीण जीवन शैली का अभिन्न अंग है बांस

प्रशिक्षणार्थी को प्रमाणपत्र देते अतिथि .

बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर संचालित प्रशिक्षण का समापन

प्रतिनिधि ▷ पिस्कनगड़ी

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन व प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में हुआ. डॉ एचएस गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान एवं विकास) ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में बांस का महत्व विभिन्न उत्पादों के कच्चे माल के स्रोत के रूप में उतरोत्तर बढ़ा है.

बांस न केवल औद्योगिक उपयोगिता रखता है बल्कि ग्रामीण व जन जातीय जन मानस की जीवन शैली का अभिन्न अंग है. संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने कहा कि बांस का उत्पादन व संदोहन आजीविका के साधन में महत्वपूर्ण है. वन क्षेत्रों से बांस की आपूर्ति बढ़ती जनसंख्या के चलते संभव नहीं रह गयी है. डॉ आलोक सहाय (निदेशक, केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान) ने कहा कि बांस के प्रवर्धन, प्रबंधन एवं मूल्य वर्धन से आजीविका के अवसर उत्पन्न करने के साथ संरक्षण में भी प्रभाव डालेगा.

डॉ संजय सिंह ने कहा कि इस प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का आयोजन बांस क्षेत्र में आजीविका सृजन की असीम संभावना को विचार करते हुए किया गया. प्रशिक्षण में झारखंड, बिहार व महाराष्ट्र के 45 प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा तकनीकी जानकारी प्रदान की गयी. अतिथियों ने डॉ संजय सिंह व साथियों द्वारा लिखित पुस्तक बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन का विमोचन भी किया.

पूर्व मध्य रेल
ई–निविदा सूचना

जनमानस की जीवनशैली का अभिन्न अंग है बांस

प्रशिक्षणार्थी को प्रमाणपत्र देते अधिकारी • जागरण

संवाद सूत्र, पिस्कनगड़ी : भारत सरकार के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे हरित कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत ''बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन' विषय पर डेढ़ माह से चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह का आयोजन नगड़ी के लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. एचएस गुप्ता, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (अनुसंधान एवं विकास) उपस्थित थे। कहा, पिछले कुछ दशकों में बांस का महत्व विभिन्न उत्पादों के कच्चे माल के स्रोत के रूप में उतरोत्तर बढ़ा है। बांस न केवल ओद्यौगिक उपयोगिता रखता है, बल्कि ग्रामीण एवं जनजातीय जनमानस की जीवनशैली का अभिन्न अंग है।

संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी ने कहा कि बांस का उत्पादन एवं संदोहन आजीविका के साधन में महत्वपूर्ण है। वन क्षेत्रों से बांस की आपूर्ति बढ़ती जनसंख्या के चलते संभव नहीं रह गई है।

समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. आलोक सहाय, (निदेशक केंद्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नगड़ी) ने कहा कि बांस के प्रवर्धन, प्रबंधन एवं मूल्यवर्धन से आजीविका के अवसर उत्पन्न करने के साथ संरक्षण में भी प्रभाव डालेगा। प्रशिक्षण के पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इस प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम का आयोजन बांस क्षेत्र में आजीविका सृजन की असीम संभावना को विचार करते हुए ही किया है।

बांस प्रबंधन पर डेढ़ माह से चल रहे प्रशिक्षण का समापन, 45 प्रतिभागी हुए शामिल, प्रयोगात्मक गतिविधियां हुईं संचालित

प्रशिक्षण में झारखंड, बिहार एवं महाराष्ट्र राज्य के 45 प्रतिभागियों को बांस पौधशाला की स्थापना, प्रवर्धन विधियों, पौधशाला और रोपण क्षेत्र प्रबंधन, रोग व कीट नियंत्रण, उत्पाद विकास, मूल्य वर्धन आदि विषयों पर प्रतिभागियों को विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत तकनीकी जानकारी प्रदान करने के साथ विभिन्न प्रयोगात्मक गतिविधियां संचालित की गई। इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों ने संस्थान के डॉ. संजय सिंह और साथियों द्वारा लिखित तकनीकी पुस्तक 'बांस प्रवर्धन एवं प्रबंधन' का विमोचन भी किया।

समारोह का संचालन वैज्ञानिक रूबी एस कुजूर ने जबकि धन्यवाद ज्ञापन जनसंपर्क अधिकारी शंभु नाथ मिश्रा ने किया।

इस अवसर संस्थान के डॉ. योगेश्वर मिश्रा, डॉ. शरद तिवारी, डॉ. अनिमेश सिन्हा, डॉ. पीके दास, डॉ. मालविका रे, संजीव कुमार, आदित्य कुमार, एसएन वैद्य, रवींद्र राज लाल, रविशंकर प्रसाद, निशार आलम, सुमिता सरकार, सूरज कुमार, बसंत कुमार सहित पदाधिकारी शामिल हुए।

6 दैनिक जागरण रांची, 15 फरवरी 2019

बांस के व्यावसायिक खेती के बारे में दी गई जानकारी

कार्यक्रम का उद्घाटन करते अतिथि • जागरण

संसू, पिस्कानगड़ी : वन उत्पादकता संस्थानं लालगुटवा (रांची) में बांस प्रबंधन पर भारत सरकार के वन पर्यावरण मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुवार को हुआ। संस्थान के निदेशक डॉ. नितिन कुलकर्णी नें दीप प्रज्जवलित कर इस प्रशिक्षण सत्र का उद्घाटन किया। डॉ. कुलकर्णी ने बताया कि इस प्रशिक्षण में झारखंड, बिहार एवं पश्चिम बंगाल राज्य के प्रशिक्षणार्थी शामिल होंगे। निदेशक डॉ. संजय सिंह ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बांस के व्यावसायिक खेती सहित अन्य तकनीकों की जानकारी दी। साथ ही बताया प्रशिक्षण के दौरान कई जानकारियां दी जाएंगी। फील्ड में बांस बांस कैसे विकसित किया जाएगा इसकी जानकारी दी जाएगी। धन्यवाद ज्ञापन संजीव कुमार ने दिया। रवि शंकर प्रसाद ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र का संचालन किया। इस अवसर पर संस्थान के डॉ. अनिमेष सिन्हा, एसएन वैद्य, रवींद्र राज लाल, निशार आलम, सुमिता सरकार, रानी सुजाता मिंज, सूरज कुमार, बसंत कुमार उपस्थित थे।

रांची, शुक्रवार 15.02.2019 प्रभात खबर 10

ब्रीफ न्यूज

हरित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

रांची. वन उत्पादकता संस्थान रांची में बांस प्रबर्धन एवं प्रबंधन पर भारत सरकार के वन पर्यावरण मंत्रालय के हरित कौशल विकास कार्यक्रम के तहत प्रशक्षिण कार्यक्रम गुरुवार से आयोजित किया गया है. यह डेढ़ महीने तक चलेगा. संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी ने दीप प्रज्वलिन कर इस प्रशिक्षण सत्र का विधिवत उद्घाटन किया. उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण में झारखंड, बिहार एवं पश्चिम बंगाल राज्य के ग्रामीणों व विद्यार्थियों की सहभागिता रहेगी. निदेशक डॉ संजय सिंह ने प्रतिभामियों को प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने प्रतिभागियों को बांस पौधशाला की स्थापना, इसमें लगने वाले रोग, रोग नियंत्रण, टिशु कलचर द्वारा बांस का उत्पादन, बांस की व्यावसायिक खेती, खाद्य एवं सौंदर्य प्रसाधन के रूप में बांस के उपयोग इत्यादि विषयों पर प्रतिभागियों को जानकारी दी. धन्यवाद ज्ञापन संजीव कुमार, वैज्ञानिक ने किया. रवि शंकर प्रसाद ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के उदघाटन सत्र का संचालन किया.